सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 217 | जौनपुर, शनिवार, 04 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

बड़े भरोसे के साथ मेरी मां ने मुझे सौंपी परिवार की कर्मभूमि – राहुल

रायबरेली, संवाददाता। राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के रायबरेली से अपना नामांकन दाखिल किया, जो लंबे समय से कांग्रेस का गढ़ रहा है। सूत्र कई कारण बताते हैं जो कांग्रेस परिवार के भीतर अमेठी और रायबरेली के भविष्य पर चर्चा के दौरान सामने आए थे। राहुल को चुने जाने का मुख्य कारण विरासत या उत्तराधिकार कारक था। माना जा रहा है कि रायबरेली से राहुल गांधी की उम्मीदवारी की घोषणा करके, सोनिया गांधी लोगों को यह संदेश देना चाहती हैं कि वह उनके उत्तराधिकारी होंगे। कांग्रेस इसे राहुल बनाम स्मृति नहीं बनाना चाहती थी, क्योंकि उसे लगता है कि वह ईरानी से बड़े नेता हैं। अमेठी की तुलना में रायबरेली राहुल गांधी के लिए सुरक्षित सीट है। नामांकन के बाद राहुल गांधी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था! मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है। अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग–अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं। प्रियंका गांधी ने लिखा कि कुछ दिनों पहले मां ने कहा था, मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है।

बसपा ने उत्तर प्रदेश की 11 लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने उत्तर प्रदेश की छह लोकसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित करने के बाद देर शाम पांच और उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया। जारी सूची के अनुसार पार्टी ने रमेश सिंह पटेल को इलाहाबाद, मोइ नुद्दीन अहमद खान को श्रावस्ती और हरिशंकर सिंह को भदोही लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने वाराणसी से अतहर जमाल लारी पर भरोसा जताया है। इस सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। बसपा ने बासगांव लोकसभा सीट से रामसमुझ को मैदान में उतारा है। इसी सूची में पार्टी ने बलरामपुर जिले की गैंसड़ी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए मोहम्मद हारिस खान को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने गोंडा से सौरभ मिश्रा, डुमरियागंज से नदीम मिर्जा और कैसरगंज सीट से नरेंद्र पांडे को टिकट देने का ऐलान किया था। साथ ही नदीम अशरफ को संत कबीर नगर, शिव कुमार दोहरे को बाराबंकी और महशूद अहमद को आजमगढ़ सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है।

झारखंड की धरती... आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती – पीएम मोदी

झारखंड, एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 से पहले पीएम मोदी ने झारखंड के सिंहभूम में एक भव्य सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लिया और संबोधित किया। प्रधानमंत्री भीड़ के उत्साह से बहुत प्रभावित हुए और बदले में उन्होंने झारखंड में सभी के लिए मोदी की गारंटी दोहराई। मोदी ने कहा कि झारखंड को अटल जी ने बनाया, भाजपा ने बनाया। कांग्रेस ने झारखंड का घोर विरोध किया। उन्होंने कहा कि ये भाजपा की ताकत थी, अटल जी की दीर्घ–दृष्टि थी कि झारखंड बना। कांग्रेस को मंजूर नहीं था कि यहां के संसाधन आपके काम आए। पहले वो एक रुपये देते थे तो उसमें से वो 85 पैसे मार लेते थे। आज मैं एक रुपये भेजता हूं तो पूरा 100 पैसा आपके अकाउंट में जाता है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमने बाबा साहेब की जयंती पर आयुष्मान भारत योजना लॉन्च की और वो भी झारखंड की भूमि से की। आज गरीबों को 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है। मुद्रा योजना की शुरुआत हमने झारखंड के दुमका से की। इसी तरह मोदी की गारंटी की गाड़ी भी हमने झारखंड के खूंटी से शुरू की। इसलिए तो मैं कहता हूं– झारखंड और भाजपा का दिल का नाता है। उन्होंने कहा कि आज झारखंड... हर कोने में विश्वास के साथ, उमंग के साथ, उत्साह के साथ... एक ही बात कह रहा है– फिर एक बार मोदी सरकार। मोदी ने कहा कि सिंहभूम और झारखंड की धरती... आदिवासी क्रांतिकारियों की धरती है, लेकिन कांग्रेस ने आदिवासियों के बलिदान को कभी सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस आजादी का पूरा श्रेय केवल एक परिवार को देना चाहती है, लेकिन ये भाजपा है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को एक और पहचान दी– इस दिन को हमने जनजातीय गौरव दिवस मनाने की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि हम देशभर में जनजातीय गौरव के लिए जनजातीय म्यूजियम बना रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को आदिवासियों के इतिहास का सम्मान पसंद नहीं है। वो जनजातीय समाज के लोगों को आगे बढ़ने देना नहीं चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने एक आदिवासी महिला (श्रीमती द्रौपदी मुर्मू) को भारत के राष्ट्रपति बनाने का घोर विरोध किया। झारखंड के जल, जंगल और जमीन पर हमारे आदिवासी भाई–बहनों का अधिकार है, लेकिन जेएमएम और कांग्रेस... इसे अपनी जागीर समझती है। यही वजह है कि झारखंड के हर संसाधन की खुली लूट चल रही है। पूरे राज्य के खान–खनिज को अवैध खनन कर लूटा जा रहा है। इन्होंने आदिवासियों की जमीनें लुटने के बाद हमारे देश की सेना की जमीन पर भी आंख गड़ा कर रखी है।

अगले एक साल में 5 लाख लोगों को दी जाएगी नौकरी - सीएम नीतीश

बिहार, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को सुपौल लोकसभा क्षेत्र में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोगों ने पिछले विधानसभा चुनाव के समय ही वादा किया था कि 10 लाख युवाओं को नौकरी देंगे, जिसमें करीब 5 लाख नौकरी दी जा चुकी है और 5 लाख नौकरी एक साल के अंदर दी जाएगी। उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए राजद कार्यकाल की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में कुछ नहीं था, आज सड़कें बन रही है तो घरों तक बिजली पहुंचा दी गई। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए लोगों को सचेत भी किया। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने परिवार को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, उनके झांसे में नहीं आना है। हमारे लिए तो बिहार के लोग परिवार हैं। उन लोगों ने कोई काम नहीं किया है। वो सिर्फ अनर्गल बयानबाजी करते रहते हैं। उन लोगों ने विकास किया है तो सिर्फ अपने परिवार का, पहले अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाया, अब बेटा और बेटियों को भी सेट करने में लगे हैं। सुपौल लोकसभा से एनडीए की ओर से जदयू प्रत्याशी दिलेश्वर कामत के पक्ष में आयोजित सभा में नीतीश कुमार ने आगे कहा कि हम लोगों ने प्रदेश में जातीय जनगणना करवाई।

भारत के अर्थतंत्र को संसार में तीसरे नंबर पर लाने का काम हम करेगें - अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव दो खेमों में हैं। एक ओर वोट फॉर जिहाद वाले लोग हैं तो दूसरी ओर वोट फॉर विकास वाले लोग हैं। एक ओर राहुल बाबा की चाइनीज गारंटी है तो दूसरी ओर पीएम मोदी की भारतीय गारंटी है। यह चुनाव

इन दो खेमों के बीच होना है। दो चरण का चुनाव हो चुका है और मोदी जी संेचुरी लगाकर आगे निकल चुके हैं। अब तीसरा फेज 400 पार करने की मजबूत नींव डालने का फेज है। कांग्रेस की सरकार में सोनिया–मनमोहन की सरकार में पहले आए दिन पाकिस्तान से आलिया– मालिया– जमालिया आते थे और बम धमाके करके चले जाते थे। कोई कुछ नहीं बोलता था। 2014 में जब मोदी जी पीएम बने तो पाकिस्तान ने उरी और पुलवामा में हमला किया, लेकिन वो भूल गए कि अब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री नहीं हैं, अब मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। 10 ही दिन में मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान के घर में घुस कर बदला लिया। मोदी जी 10 साल में ही 5वें नंबर पर लाए। मैं आज मोदी की गारंटी देकर जाता हूं – आप तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दो, भारत के अर्थतंत्र को संसार में तीसरे नंबर पर लाने का काम हम करेंगे। मोदी जी ने धारा 370 को हटाया, राम मंदिर का मार्ग प्रशस्त किया, पीएफआई पर बैन लगाया और ट्रिपल तलाक समाप्त किया। मोदी जी ने संकल्प पत्र में घोषणा की है कि अपने तीसरे कार्यकाल में पूरे देश में यूसीसी लाने और मुस्लिम पर्सनल लॉ समाप्त करने का काम हम करेंगे।

किशोरी लाल शर्मा 40 साल से लोगों की कर रहे सेवा – प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच कांग्रेस पार्टी ने कड़ी टक्कर वाली रायबरेली और अमेठी संसदीय सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी ने वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को रायबरेली सीट से मैदान में उतारा है, जबकि एक आश्चर्यजनक कदम में, पार्टी ने एक और वफादार किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से भाजपा की स्मृति ईरानी के खिलाफ उम्मीदवार के रूप में चुना है। दोनों नेता आज पार्टी के वरिष्ठ दिग्गजों की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल करेंगे। किशोरी लाल शर्मा की उम्मीदवारी को लेकर प्रियंका गांधी ने कहा कि नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया से पहले, अमेठी से कांग्रेस उम्मीदवार ने मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक श्छोटे कार्यकर्ताश को चुनाव लड़ने का मौका दिया है। आप सभी जानते हैं कि किशोरी लाल शर्मा जी अमेठी

से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किशोरी जी अमेठी की गांव–गलियों और कार्यकर्ताओं को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं। वे यहां की समस्याओं को भी भली–भांति समझते हैं। किशोरी जी पिछले 40 साल से आपकी सेवा कर रहे हैं। इसलिए मेरा विश्वास है कि आप सभी हमारे साथ मिलकर किशोरी जी को जीत दिलाएंगे। वहीं, एक एक्स पोस्ट में उन्होंने लिका कि किशोरी लाल शर्मा जी से हमारे परिवार का वर्षों का नाता है। अमेठी, रायबरेली के लोगों की सेवा में वे हमेशा मन–प्राण से लगे रहे। उनका जनसेवा का जज्बा अपने आप में एक मिसाल है। आज खुशी की बात है कि श्री किशोरी लाल जी को कांग्रेस पार्टी ने अमेठी से उम्मीदवार बनाया है। किशोरी लाल जी की निष्ठा और कर्तव्य के प्रति उनका समर्पण अवश्य ही उन्हें इस चुनाव ने सफलता दिलाएगा।

ढेर सारी शुभकामनायें। गांधी परिवार के करीबी सहयोगी और वफादार किशोरी लाल शर्मा मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले हैं। वह रायबरेली सीट पर सोनिया गांधी की अनुपस्थिति में उनके प्रबंधक रहे थे। 1991 में पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी के निधन के बाद शर्मा के गांधी परिवार के साथ संबंध और गहरे हो गए। वह वर्षों से अमेठी में कांग्रेस पार्टी के लिए काम कर रहे हैं, जहां वह पहली बार 1983 में आए थे और तब से जारी हैं।

बंगाल गवर्नर पर छेड़छाड़ का आरोप लगा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस के खिलाफ एक महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगया है। आरोप सामने आने के एक दिन बाद बोस ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मेरे ऊपर और भी केस लगने की उम्मीद है। बता दें, पीड़िता एक संविदाकर्मी है, जो राजभवन में काम करती है। पीड़िता के आरोपों को बोस ने बेतुका बताया है।

राज्यपाल बोले– अभी बहुत कुछ होने वाला है

राजभवन ने शुक्रवार को राज्यपाल का एक रिकॉर्ड बयान जारी किया। इसमें तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राज्यपाल ने कहा कि कोई भी टीएमसी के भ्रष्टाचार और हिंसा पर लगाम लगाने के मेरे प्रयासों को रोक नहीं सकता है। मेरे प्रयास दृढ़ हैं। बयान में उन्होंने आगे कहा कि मैं कुछ राजनीतिक ताकतों द्वारा लगाए गए आरोपों का स्वागत करता हूं। मैं जानता हूं कि अभी और भी बहुत कुछ होने वाला है। मैं स्पष्ट करना

चाहता हूं कि कोई मुझे इन बेतुके आरोपों से नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा लग रहा है कि मुझे एक दिन 1943 की बंगाल फेमिन के साथ–साथ 1946 में कलकत्ता में हुई हत्याओं के लिए भी दोषी ठहराया जाएगा।

यह है मामला

बता दें, पीड़ित महिला ने गुरुवार शाम हेयर स्ट्रीट थाने में लिखित शिकायत की। उसका दावा है कि राज्यपाल ने उसके साथ दो बार छेड़खानी की। पहली बार 24 अप्रैल को फिर गुरुवार शाम को। महिला का आरोप है कि राज्यपाल ने उसे बायोडाटा के साथ राजभवन स्थित अपने चेंबर में आने को कहा था, जहां उसके साथ छेड़खानी की गई। उसने पहले राजभवन में स्थित आउटपोस्ट में तैनात पुलिसकर्मियों से इसकी शिकायत की। वहां से उसे थाने में जाने को कहा गया। पुलिस की ओर से महिला का परिचय गोपनीय रखा गया है। पता चला है कि महिला 2019 से राजभवन में अस्थायी रूप से कार्यरत है। वह राजभवन परिसर में स्थित हॉस्टल में रहती है। टीएमसी के वरिष्ठ नेता और उद्योग मंत्री शशि पांजा ने मामले में शुक्रवार को कहा कि आरोपों के पीछे पार्टी का कोई एजेंडा और कोई भूमिका नहीं है। घटना चौंकाने वाली है। इस पर विश्वास करना मुश्किल है कि यह राजभवन के अंदर यह सब हुआ। किसी भी राज्यपाल के खिलाफ इससे पहले ऐसे आरोप नहीं लगे हैं। इससे राज्यपाल पद की प्रतिष्ठा कम हुई है।

दिल्ली में लोकसभा चुनाव प्रचार में समन्वय बढ़ाने के लिए आप-कांग्रेस ने बनाई समिति

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस ने दिल्ली में लोकसभा चुनावों के लिए एक समन्वय समिति का गठन किया है और यहां के सात संसदीय क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए समन्वयकों की घोषणा की है। दोनों दलों ने ऐसा इसलिए किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चुनाव प्रचार सुचारू और प्रभावी तरीके से हो। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के दो घटकों के बीच सीट–बंटवारे की व्यवस्था के तहत, कांग्रेस ने सात में से तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। आम आदमी पार्टी शेष चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सात चरण के चुनाव के छठे दौर में 25 मई को मतदान होना है। आप ने बयान में कहा कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस के साथ जमीनी स्तर पर चुनाव प्रचार समन्वय शुरू करने के उद्देश्य से आप के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने

समन्वय समिति का गठन किया है, जिसमें समन्वय की पूरी जिम्मेदारी दुर्गेश पाठक को सौंपी गई है। दुर्गेश पाठक राजेंद्र नगर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। संचार विभाग के अध्यक्ष और पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने कहा, ''कांग्रेस और आप दोनों दिल्ली के सात लोकसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक के लिए एक पर्यवेक्षक की घोषणा करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पार्टियों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच चुनाव प्रचार सुचारू और प्रभावी तरीके से हो।

बीजेपी के राज में न तो महंगाई कम हो रही न तो बेरोजगारी - सीएम ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि आज उन्होंने(प्रधानमंत्री) बंगाल में सभा करके कहा, राहुल

गांधी क्यों रायबरेली से खड़े हुए। उन्होंने(राहुल गांधी) अच्छा किया जो खड़े हुए है, उनके पास चुनाव लड़ने का अधिकार है। इसमें आपका(प्रधानमंत्री) क्या है। किसी समय आप(प्रधानमंत्री) भी तो दो सीट पर खड़े हुए थे। एक प्रधानमंत्री को क्या बोलना चाहिए और क्या नहीं उन्हें(प्रधानमंत्री) इसका भी सामान्य ज्ञान नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने बर्धमान–दुर्गापुर लोकसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी के उत्तर प्रदेश की राय बरेली लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने के फैसले पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने (राहुल ने) वायनाड में अपनी हार भांप ली है। पीएम मोदी ने राहुल गांधी के राय बरेली सीट से चुनाव लड़ने के फैसले के संदर्भ में कहा, अमेठी सीट से हारने के बाद वायनाड जाने वाले कांग्रेस के शहजादे अब राय बरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें (राहुल को) पता है कि इस बार वह वायनाड भी हारेंगे। प्रधानमंत्री ने चुनौती दी कि कांग्रेस लिखित में दे की वह धर्म के आधार पर आरक्षण देने के लिए संविधान में संशोधन नहीं करेगी।

इंडी गठबंधन चाहता है दलित, आदिवासी और पिछड़ों का आरक्षण छीनना – जेपी नड्डा

भोपाल, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इंडिया गठबंधन पर दलित, आदिवासी और पिछड़ों का आरक्षण छीनने का आरोप लगाया है। सागर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार लता वानखड़े के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिनके नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है वहीं दूसरी तरफ इंडी अलाइंस है, यह घमंडिया गठबंधन है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन दो बातों का गठबंधन है एक गठबंधन है परिवार की पर्टियों का जमावड़ा, दूसरा भ्रष्टाचारियों को बचाने का टोला है। पीएम मोदी कहते हैं कि भ्रष्टाचार हटाओ, ये लोग कहते हैं भ्रष्टाचारियों को बचाओ। कांग्रेस के शासनकाल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तमाम घोटाले किए। न आसमान छोड़ा, न समुंदर छोडा, ना पाताल छोड़, न धरती छोड़ी। इंडी गठबंधन पर पिछड़े, आदिवासी और दलितों का आरक्षण छीनने का

आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग धार्मिक आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं, लेकिन जब तक नरेंद्र मोदी हैं, भाजपा है तब तक दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग का आरक्षण कोई नहीं ले सकता है। मोदी सरकार के कार्यकाल की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि 10 साल में मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत बदल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 5वीं अर्थव्यवस्था बन चुकी है और आने वाले दो साल में यह तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। ऑटोमोबाइल से लेकर अन्य क्षेत्र में भी भारत में छलांग लगाई है। इतना ही नहीं 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब ,वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, युवा, किसान, महिला इन सबको अगर किसी ने ताकत दी है तो वह नरेंद्र मोदी की नीतियां है। 20 साल पहले एक पंचायत के विकास के लिए ढाई से तीन लाख रुपए आता था जो अब ढाई करोड़ से तीन करोड़ और पांच करोड रुपए तक आता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 करोड़ 74 लाख परिवारों को पांच लाख रुपए तक का गंभीर बीमारी के इलाज की व्यवस्था की है। मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर 70 साल की आयु से अधिक के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत से जोड़ दिया जाएगा।

संपादकीय

खाली कुर्सियों का सन्नाटा

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को प्राथमिकता देने की कला में महारत हासिल है, या यूं कहें कि जिसे वे अप्रासंगिक मानते हैं उसे नजरअंदाज करने की कला में महारत हासिल है। उदाहरण के लिए, मप्र राज्य सूचना आयोग (एसआईसी) को लीजिए, जो अब शून्यता का स्मारक बनकर खड़ा है, जहां एक भी आयुक्त नजर नहीं आता। आम तौर पर 11 आयुक्तों का दावा करने वाला यह पैनल अब पारदर्शिता के केंद्र के बजाय एक भुतहा शहर जैसा दिखता है। लेकिन, डरो मत, क्योंकि सरकार के पास चीजों पर नियंत्रण है – जब आपके पास अंतर्ज्ञान की शक्ति है तो जानकारी की आवश्यकता किसे है, है ना? और आइए मानवाधिकारों के बारे में न भूलें, वे खतरनाक चीजें जो षविकासष के रास्ते में आती हैं। राज्य मानवाधिकार आयोग खुद को ऐसी ही दुविधा में पाता है, जहां अध्यक्ष और एक सदस्य की कुर्सियां स्पष्ट रूप से खाली रह गई हैं। मानवाधिकारों के लिए किसके पास समय है जब हाथ में अधिक जरूरी मामले हों, जैसे दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए किस रंग की कलम का उपयोग करना है? और भी बहुत कुछ है उपभोक्ता शिकायतों का समाधान करने वाला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग भी शासन के प्रति श्री यादव के न्यूनतमवादी दृष्टिकोण के प्रभाव को महसूस कर रहा है। अध्यक्ष और एक सदस्य दोनों के पद रिक्त होने से, कोई केवल कल्पना कर सकता है कि शिकायतों का ढेर एक अस्थिर मेज पर जेंगा टॉवर की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। हमारा मानना है कि यह जानकर कुछ संतुष्टि हुई है कि आपने प्रशासनिक लागतों में कटौती करके कुछ रुपये बचाए हैं। कुछ मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि इन तीन आयोगों में आश्चर्यजनक रूप से 19,500 अपीलें अधर में लटकी हुई हैं। श्री यादव की प्राथमिकताएँ कुछ लोगों को अपरंपरागत लग सकती हैं, लेकिन निश्चिंत रहें, पागलपन का एक तरीका है – या कम से कम, हमें उम्मीद है कि वहाँ है।

सरकार और व्यवसाय के अंतरसंबंध को नेविगेट करना

बाबू गलियारे ऐसी खबरों से गुलजार हैं कि लद्दाख के पूर्व उपराज्यपाल और पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) आर.के. माथुर और पूर्व रॉ प्रमुख ए.के. धस्माना, दोनों को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिष्ठित पदों के लिए चुना गया था, के टाटा संस बोर्ड में शामिल होने की खबर है। श्री माथुर मणिपुर–त्रिपुरा कैडर के 1977 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। प्रमुख निगमों में वरिष्ठ पदों पर सेवानिवृत्त बाबुओं का शामिल होना कोई नई बात नहीं है, हालांकि यह बहस अभी भी जारी है कि क्या यह सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों के लिए फायदेमंद है। याद करें जब तत्कालीन पूर्व विदेश सचिव एस. जयशंकर कुछ समय के लिए वैश्विक कॉर्पोरेट मामलों के अध्यक्ष के रूप में टाटा में शामिल हुए थे। लेकिन इससे पहले श्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भारत का विदेश मंत्री नामित किया था। श्री माथुर और श्री धस्माना के मामले में, सार्वजनिक सेवा में उनकी पृष्ठभूमि टाटा को सरकारी संबंधों और रणनीतिक निर्णय लेने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकती है। नियामक ढांचे के बारे में उनकी समझ निगमों के लिए अमूल्य हो सकती है, विशेष रूप से भारी विनियमित उद्योगों में काम करने वाले निगमों के लिए। बेशक, यह अक्सर कहा जाता है कि एक आदमी का अनुभव दूसरे आदमी का अविवेक है।

जब सेवानिवृत्त बाबू कॉर्पोरेट भूमिकाओं में स्थानांतरित होते हैं, तो कथित या वास्तविक हितों के टकराव का जोखिम होता है, खासकर यदि वे पहले अपने नए नियोक्ता को सीधे प्रभावित करने वाले मुद्दों या नियमों से निपट चुके हों। यहां महत्वपूर्ण नैतिक मुद्दा एक उचित ष्कूलिंग–ऑफष अवधि है, जो इस उदाहरण में, ये बाबू अच्छी तरह से स्पष्ट हैं। ऐसी किसी भी नियुक्ति की तरह, पारदर्शिता और जवाबदेही महत्वपूर्ण है। आईआरएस अधिकारी को प्रतिबंधित करना एक कड़ा संदेश देता है हाल ही में 2004–बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी सोमनाथ शिवरुद्रप्पा उक्कली को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति और विदेशी असाइनमेंट से प्रतिबंधित करना प्रशासन के भीतर जवाबदेही और कर्तव्यों के पालन के महत्व के बारे में एक स्पष्ट संदेश भेजता है। भारी उद्योग मंत्रालय के तहत एचएमटी लिमिटेड, बेंगलुरु में मुख्य सतर्कता अधिकारी के रूप में अपनी नियुक्त भूमिका की जिम्मेदारियों को संभालने में श्री उक्काली की विफलता के कारण महत्वपूर्ण परिणाम हुए हैं, जिसमें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति और विदेशी असाइनमेंट से पांच साल की रोक भी शामिल है। अजीब बात है कि, अपने आधिकारिक कार्यभार के बावजूद, श्री उक्काली ने पद की जिम्मेदारियाँ संभालने में असमर्थता व्यक्त की।

इसके बाद, राजस्व विभाग ने पिछले महीने एक आदेश जारी किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बाबू को अपनी निर्धारित भूमिका में शामिल नहीं होने के परिणामों के बारे में विधिवत सूचित किया गया था। सूत्रों ने डीकेबी को सूचित किया है कि इस पूर्व–खाली उपाय का उद्देश्य गैर–अनुपालन के प्रतिकूल परिणामों के बारे में भविष्य में अज्ञानता के किसी भी दावे को रोकना है।

यह घटना सरकार के भीतर प्रमुख पदों पर बैठे अधिकारियों की अत्यधिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है। यह निर्दिष्ट भूमिकाओं को पूरा करने में विफल रहने की गंभीरता और चूककर्ता के लिए संभावित परिणामों को भी रेखांकित करता है। उम्मीद है, श्री उक्कली का उदाहरण सभी बाबुओं को किताब के अनुसार काम न करने के परिणामों के बारे में एक स्पष्ट अनुस्मारक के रूप में काम करेगा।

आंकड़े जारी करने में देरी पर सियासी घमासान

आदित्य

अगर कण–कण में भगवान है तो मानिए कि इस देश के जर्रे–जर्रे में सियासत समा गई है। अब चुनाव कार्यक्रम, चुनाव प्रक्रिया, चुनाव नतीजे के साथ–साथ चरणवार मतदान के अंतिम आंकड़े जारी करने पर भी सियासी घमासान मचा है। गोया यह पूरा चुनाव ही शक शुबहों की

सुरंग से होकर गुजर रहा है। विपक्ष को हर बात में खोट दिख रही है तो सत्ता पक्ष सब कुछ स्वाभाविक मानकर मुग्ध है। विपक्ष को शक है कि चुनाव आयोग ने ये आंकड़े जानबूझकर देरी से जारी किए। खासकर 19 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के 11 दिन बाद। इसके पीछे कहीं कोई 'खेला' तो नहीं है? जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि समूचे आंकड़े कंपाइल करने में वक्त लगता है, इसलिए अंतिम आंकड़े जारी करने में कुछ देरी हुई। यहां बात केवल अंतिम आंकड़ों की नहीं है। जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चुनाव के दो चरणों के दौरान कम मतदान के नरेटिव को झटका देने वाले हैं। शुरूआती आंकड़ों में यह संदेश छुपा था कि दोनो चरणों में 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में 3 से 7 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले चरण के डेढ़ हफ्ते बाद जो आंकड़े बताए, उससे पहले चरण में 102 संसदीय सीटों पर 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 88 सीटों पर 66.71 प्रतिशत वोट पड़े। जबकि चुनाव आयोग ने पहले चरण के मतदान के आरंभिक आंकड़े औसतन 60 प्रतिशत तथा दूसरे चरण में 60.96 प्रतिशत बताए थे। अगर इसकी तुलना 2019 के लोकसभा चुनाव के प्रथम व द्वितीय चरण के मतदान प्रतिशत से की जाए तो वोटिंग में यह कमी क्रमशरू 4 और 3 फीसदी की होती है। अगर पिछले लोस चुनाव के कुल औसत मतदान 67 फीसदी से इसकी तुलना करें तो कुल मतदान में घटत उतनी ज्यादा नहीं है, जितनी कि मानी जा रही थी। फिर भी मतदान घटा तो है, जिससे चुनाव नतीजे काफी बदल सकते हैं और कई जगह हार– जीत का अंतर भी बहुत कम रह सकता है।

आंकड़ों की सियासत और सियासत के आंकड़े

मतदान के आरंभिक आंकड़ों ने राजनीतिक दलों की चिंता बढ़ा दी थी। माना जा रहा था कि तमाम कोशिशों के बाद भी वोटर घर से नहीं निकल रहा है। राजनीतिक विश्लेषक इस बात का गुणा–भाग लगा रहे थे कि कम मतदान किसको जीत की ट्रॉफी दिलाएगा। इसके लिए तरह–तरह के आंकड़े और डाटा एनालिसिस पेश किया जा रहा था। मोटे तौर पर संदेश यही था कि कम मतदान सत्तारूढ़ भाजपा और एनडीए के लिए जोखिम भरा है। यह बताने की भी कोशिश हुई कि चुनाव में खासकर भाजपा का वोटर अपेक्षित संख्या में नहीं निकल रहा। ऐसे में देश में 2004 के लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति बन सकती है, जब मतदान अपने पूर्ववर्ती 1999 के लोस चुनाव की तुलना में 1.9 फीसदी कम रहा था और सत्तारूढ़ अटलजी की सरकार सत्ता से बेदखल हो गई थी तथा नेतृत्व विहीन यूपीए गठबंधन सत्ता में आ गया था। 2009 के लोस चुनाव में भी औसत मतदान 58.21 प्रतिशत रहा और यूपीए 2 फिर सत्ता में लौटा। लेकिन 2014 ने वोटिंग ट्रेंड ने गीयर बदला। अगले दो लोकसभा चुनाव में यह 8 से 10 फीसदी तक बढ़ा और मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में रही है। विपक्ष के लिए झटका यह है कि पहले चरण के जो आंकड़े शुरू में बताए गए थे, उनमें 6 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। यानी इतना मतदान बढ़ा है। ये आंकड़े 2019 के लोस चुनाव के पहले दो चरणों के औसत आंकड़ों के आसपास ही हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि मतदान कम जरूर हुआ है, लेकिन इतना कम भी नहीं हुआ है कि विपक्ष की बांछें खिल जाएं। अगर यही ट्रेंड अगले पांच चरणों में भी रहता है तो तय मानिए कि चुनाव नतीजे कमोबेश 2019 के जैसे ही हो सकते हैं।

पक्ष और विपक्ष के बीच तनातनी

पहले दो चरणों के मतदान के अंतिम आंकड़ों से भाजपा ने कुछ राहत की सांस ली है, जबकि विपक्ष के मन में शक का कीड़ा और गहरा गया है। उसने चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लगाते हुए दो प्रश्न उठाए हैं। पहला यह कि दोनों चरणों के अंतिम आंकड़े जारी करने में इतनी देरी के पीछे मंशा या मजबूरी क्या है? दूसरे, कम बताया जा रहा मतदान अचानक 6 फीसदी तक कैसे बढ़ गया? यह सचमुच आंकड़ों के संग्रहण में देरी है या कुछ और? तीसरा यह कि आयोग केवल मतदान का प्रतिशत क्यों बता रहा है, कुल मतदान के आंकड़े बताने में उसे क्या परेशानी है? पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी ने तो आरोप लगाना शुरू भी कर दिया है कि चुनाव आयोग नतीजों में गड़बड़ी कर सकता है। आंकड़े जारी करने में यकीनन देरी हुई है। क्योंकि पहले के चुनाव में किसी भी चरण के अंतिम आंकड़े प्रायरू तीन दिन के अंदर मिल जाते थे। वैसे भी मतदान के दिन शाम तक के जो आंकड़े चुनाव आयोग जारी करता है, वो सरसरी तौर पर और अनुमानित ही होते हैं, क्योंकि मतपेटियां जमा होने का क्रम देर रात तक या दूसरे दिन सुबह तक भी चलता है। उन सभी के मतदान के वास्तविक आंकड़ों की पुष्टि कर उनको कंपाइल करने में वक्त लगता है। लेकिन उंगली आयोग की मंशा पर उठ रही है। कांग्रेस ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के पहले और दूसरे चरण के मतदान के अंतिम आंकड़े की जानकारी देने में देरी अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मीडिया से कहा कि हमे उम्मीद है कि चुनाव के बचे हुए चरणों में ऐसा नहीं होगा। सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि ये बहुत परेशान करने वाला है। इससे नतीजों में गड़बड़ी का गंभीर शक पैदा होता है। उनका यह भी कहना था कि जब तक वोटों कुल आंकड़ा न बताया जाए तब तक प्रतिशत बताने का कोई अर्थ नहीं है। दूसरी ओर पूर्व चुनाव आयुक्त एन गोपालास्वामी का कहना है कि मतदान के पुष्ट चुनावी आंकड़े तब उपलब्ध होते हैं, जब वोटिंग के अंत में फॉर्म 17सी जमा किया जाता है। इसी फॉर्म पर डाले गए वोटों की कुल संख्या होती है। तभी आयोग को अंतिम आंकड़े पता चलते हैं। हालांकि, कुछ विशेषज्ञो का मानना है कि अंतिम आंकड़ों में पांच छह फीसदी की घट बढ़ असामान्य नहीं है। इसका एक अर्थ यह भी है कि यदि अंतिम आंकड़े और घटते तो विपक्ष ज्यादा मुतमइन रहता, बढ़ते आंकड़ों ने उसे बेचौन कर दिया है। हालांकि, अंतिम आंकड़े जारी करने में इतना विलंब चुनाव आयोग की कार्य क्षमता पर भी सवाल खड़े करता है, क्योंकि जो काम तय सीमा में अब तक होता रहा है, वही काम ज्यादा संसाधनों और बेहतर टैक्नोलॉजी के बाद भी इतनी देरी से क्यों हो रहा है अथवा किया जा रहा है? हालांकि, यह मानना कठिन है कि चुनाव आयोग जान बूझ कर कोई खेला कर रहा होगा, क्योंकि इस चुनाव में सबसे ज्यादा विश्वसनीयता तो उसी की दांव पर लगी है। अगर यह कोई व्यवस्थागत खामी है तो उसे अगले चरणों में दूर करने की जरूरत है। यह बात अलग है कि अपनी कॉलर ऊंची रखने के लिए कम मतदान को सभी दल अपने अपने पक्ष में बता रहे हैं, लेकिन खुटका सभी के मन में है और खासकर भाजपा के मन में जिसने 400 पार का नारा दिया हुआ है। ऊपर से भले ही प्रधानमंत्री कम मतदान को भगवा रंग में लिपटा मानें, लेकिन अंदरखाने बीजेपी ने अपनी समूची चुनावी मशीनरी को खड़का दिया है कि किसी भी कीमत पर ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाओ। वरना नतीजों का ऊंट दुश्मन की करवट जा बैठेगा कुलमिलाकर डर दोनों तरफ है। हालांकि, कम मतदान की खबरों ने अचानक विपक्ष की ईवीएम पर आस्था बढ़ा दी थी।

लेकिन बढ़ा मतदान यह आस्था फिर घटा सकता है। याद करें कि 2019 के लोकसभा चुनाव के समय टीडीपी नेता चंद्राबाबू नायडू विरोधी खेमे में थे और उन्होंने भी ईवीएम पर सवाल उठाए थे। लेकिन इस दफा वो खामोश हैं, बीजेपी के साथ हैं और सत्ता में वापसी की आस लगाए हुए हैं। उन्हें ईवीएम में कहीं कोई खोट नजर नहीं आ रहा।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से पहले रोजगार में वृद्धि की है जरूरत

विनोद

इन दिनों हर जगह तकरीबन इस बात की ही चर्चा रहती है कि भारत बड़ी तेजी से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। पर इस बात के पीछे क्या आर्थिक तथ्य और साक्ष्य हैं? पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का तमगा भारत को 2022 में मिला, जब उसने अर्थव्यवस्था के जीडीपी के आकार में इंग्लैंड को पीछे छोड़ा। 2014 में भारत दसवें पायदान पर हुआ करता था। उस समय भारत का जीडीपी 18.6 खरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था और भारत से आगे तब क्रमशः इटली (21.4 खरब डॉलर), ब्राजील (22.1 खरब डॉलर), इंग्लैंड (27.9 खरब डॉलर), फ्रांस (28.1 खरब डॉलर), जर्मनी (37 खरब डॉलर), जापान (52.1 खरब डॉलर), चीन (95.7 खरब डॉलर) तथा सबसे आगे अमेरिका (175.5 खरब डॉलर) थे। इससे साबित होता है कि पिछले एक दशक में भारत के जीडीपी में तकरीबन दो गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यह अपने आप में आश्चर्यजनक है, क्योंकि इस दौरान पूरे विश्व ने कोरोना महामारी के चलते लगभग दो वर्षों तक आर्थिक मंदी के दौर को देखा है और भारतीय अर्थव्यवस्था ने तो उस दौरान आजादी के बाद पहली दफा लगभग 25 फीसदी की नकारात्मक विकास दर को भी सहन किया था। भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का पहली दफा उल्लेख अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने किया था। उसने भारत की लगातार चल रही छह और सात फीसदी की वार्षिक आर्थिक प्रगति दर को देखते हुए अनुमान लगाया कि वर्ष 2027 तक भारत का जीडीपी 50 खरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से ऊपर निकल जाएगा। अभी भारत से आगे चल रहे जर्मनी और जापान तब क्रमश 49.5 खरब डॉलर और 50.8 खरब डॉलर के स्तर पर रहते हुए भारत से पीछे होंगे और तब भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। लेकिन इस हकीकत को भी समझना अत्यंत आवश्यक है कि भारत आज भी प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से बहुत पीछे है। अगर इंग्लैंड से ही तुलना की जाए, जिसे पीछे छोड़कर भारत पांचवीं अर्थव्यवस्था बना है, तो प्रति व्यक्ति आय में आज भी दोनों देशों में 20 गुना का अंतर है। इसके अलावा, पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से वैश्विक रैंकिंग में भारत मात्र छह पायदान ही ऊपर आया है। वर्तमान समय में 189 देशों में से भारत प्रति व्यक्ति आय में 141वें स्थान पर है, जबकि 2013–14 में भारत 147वें स्थान पर था। इससे स्पष्ट है कि पिछले एक दशक में प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी लगभग आधी से ही अधिक हुई है, जबकि जीडीपी दोगुना से अधिक बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2012 में भारत में तकरीबन एक करोड़ से अधिक लोग बेरोजगार थे, जबकि 2022 में इनकी संख्या 2.29 करोड़ तक जा पहुंची थी, जिसके चलते बेरोजगारी की दर पिछले 10 वर्षों में 2.18 फीसदी से बढ़कर चार फीसदी पर पहुंच गई। इसके अलावा, भारत का कृषि क्षेत्र बहुत पीछे हो चुका है। जीडीपी में उसके अंशदान को बढ़ाना अब अत्यंत आवश्यक हो गया है, अन्यथा प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी बहुत आसानी से नहीं की जा सकती। 50 फीसदी जनसंख्या का रोजगार के लिए कृषि पर निर्भर रहना ही इसका प्रमुख कारण है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र, जो रोजगार सृजन का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है, को बड़ी तेजी से मुख्यधारा में लाना होगा। गौरतलब है कि पिछले तीन दशकों से भारत की अर्थव्यवस्था के विकास की बागडोर सेवा क्षेत्र के कंधों पर है। उसने इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया भी है, लेकिन आज भारत में तेजी से बढ़ती आर्थिक विषमता, जो गरीबी और अमीरी के बीच खाई का प्रतीक है, उसके पीछे भी बहुत हद तक सेवा क्षेत्र है, क्योंकि जीडीपी में सेवा क्षेत्र का अंशदान 50 फीसदी से अधिक है, परंतु रोजगार में इसका अंशदान 30 से 35 फीसदी के बीच में ही है। इसलिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के कद को बढ़ाने के साथ–साथ रोजगार के अवसरों में तेजी से बढ़ोतरी अगर एक मकसद के रूप में नहीं रहा।

युवा जीवन समय से पहले ही समाप्त

आसिफ

एक कॉलेज काउंसलर के अहंकार के कारण एक युवा जीवन समय से पहले ही समाप्त हो गया। यह बहुत प्रयास और उम्मीदों के साथ हुआ होगा कि युवा चुन (बदला हुआ नाम), जो जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित था, ने पिछले साल रूस की सीमा से लगे उत्तरपूर्वी प्रांत जिलिन में मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया। शिक्षकों ने उसके मेडिकल प्रमाणपत्र पर ध्यान दिया और उसे अनिवार्य शारीरिक व्यायाम से छूट दे दी, लेकिन जब व्यायाम शुरू होने वाले थे तो अक्सर छात्रों की उपस्थिति लेने में उसकी मदद ली जाती थी। इस प्रकार हर कोई – कर्मचारी और छात्र – उसकी स्थिति के बारे में जानते थे। हालाँकि, काउंसलर को इससे कोई फर्क नहीं पड़ा, जिसने उसे 12 अप्रैल को सुबह 6 बजे व्यायाम करने के लिए मजबूर किया था। जब चुन ने अपना मेडिकल सर्टिफिकेट दिखाने की कोशिश की, तो काउंसलर, जिसने पहले कभी इसके बारे में कोई संदेह नहीं जताया था, ने स्पष्ट रूप से जवाब दिया कि यह नकली था. कौन नया छात्र किसी कॉलेज पदाधिकारी से बहस कर सकता है?

वहां मौजूद छात्रों के मुताबिक, एक्सरसाइज करते वक्त चुन गिर गए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि काउंसलर ने उन्हें उसकी मदद नहीं करने दी। आखिरकार उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वह केवल दो दिनों तक जीवित रही।

चुन की मां के अनुसार, परामर्शदाता ने चुन को अपने गृहनगर से एक जीवित मछली लाने के लिए कहा था, जहां वह चार दिवसीय किंगमिंग (पारंपरिक कब्र–सफाई) उत्सव के लिए गई थी। उनकी बेटी ने एक मछली खरीदने पर 100 युआन (1,153 रुपये) खर्च कर दिए. लेकिन जब उसने इसे अपने परामर्शदाता के सामने प्रस्तुत किया, तो यह मृत था। मछली स्पष्ट रूप से लंबी यात्रा में जीवित रहने में सक्षम नहीं थी। एक क्रोधित परामर्शदाता ने संभवतः नवसिखुआ को ऐसा सबक सिखाने का फैसला किया जिसे वह कभी नहीं भूलेगी, या कम से कम चुन की माँ इसे इसी तरह देखती है। कॉलेज, अपेक्षित रूप से, इसका खंडन करता हैय इसने कहा है कि वह चुन की मौत की आधिकारिक जांच में सहयोग कर रहा है।

एक निर्णय लें

लेकिन इस चौंकाने वाली घटना को कई लोगों ने देखा और उनका आक्रोश इंटरनेट पर फैल गया। संभवतः यह जानते हुए कि उसके कर्मचारी की गलती थी, कॉलेज ने कथित तौर पर चुन की मां को 100,000 युआन (11.5 लाख रुपये से अधिक) का मुआवजा देने की पेशकश की। एक सप्ताह बाद, प्रांत के शिक्षा विभाग ने अपनी जांच के परिणाम की घोषणा कीरू परामर्शदाता से उसकी योग्यता छीन ली गई। इसका मतलब है कि वह फिर कभी काउंसलर के रूप में काम नहीं कर पाएगी। यह भी घोषणा की गई कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य के रूप में उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि जांच रिपोर्ट में कहा गया कि चुन अभ्यास शुरू करने से ठीक पहले गिर गया था और परामर्शदाता ने तुरंत प्राथमिक उपचार दिया था। उनके खिलाफ किसी कानूनी कार्रवाई का कोई जिक्र नहीं था. इसके बजाय, विभाग ने मेडिकल कॉलेज को इस मामले पर विचार करने की सलाह दी, और शिक्षकों की नैतिकता को मजबूत करने का वचन दिया। छात्रों द्वारा विश्वविद्यालयों को अपने ही कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर करना कोई नई बात नहीं है।

युद्ध के 25 साल बाद भी सुरक्षा के मोर्चे पर निरंतर सतर्कता की जरूरत

महेंद्र

जब भारत–पाकिस्तान रिश्तों की बात आती है, तो अतीत वर्तमान बन जाता है और भविष्य में सीखने के लिए कुछ अप्रिय सबक छोड़ जाता है। पाकिस्तान जबसे भारत से अलग हुआ है, इसने क्षेत्रीय जीत हासिल करने की कोशिश की है। हालांकि हर बार यह विफल रहा है। पच्चीस वर्ष पहले ठीक आज ही के दिन कारगिल युद्ध शुरू हुआ था। पाकिस्तान ने पहले घुसपैठियों को भेजा, फिर सैन्य हमले को अंजाम दिया, क्योंकि भारत ऐसे हमले के प्रति लापरवाह था। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ द्वारा 21 फरवरी, 1999 को शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने के तीन महीने के भीतर ही कारगिल की घटना हुई। भारत को घुसपैठियों के बारे में अचानक पता लगा। ताशी नामग्याल नामक चरवाहा जब अपनी गुम हुई भेड़ों को खोज रहा था, तो उसने पठानी शूट में पाकिस्तानियों को देखा, जो बाल्टिक पर्वत शृंखला पर बंकर खोद रहे थे। नब्बे डिग्री की खड़ी चट्टान पर चढ़ाई करने वाले युवा सैन्य अधिकारियों और जवानों ने बहादुरी से पाकिस्तानी गोलियों का सामना किया और अपने भारतीय नेतृत्व को गर्व करने का अवसर प्रदान किया। इस युद्ध में ज्यादातर 22–35 वर्ष के युवा जवान शहीद हुए। आधिकारिक रूप से भारत के 527 जवान शहीद हुए, जबकि पाकिस्तान के 357 से 453 के बीच जवान मारे गए। पाकिस्तान ने अपने 600 अन्य जवानों की लाशों पर दावा न करके उन्हें अपमानित किया। नतीजतन भारत को ही उनका अंतिम संस्कार करना पड़ा। वस्तुतः यह भारत के लिए कठिन कार्य था। पाकिस्तानियों के कड़े प्रतिरोध का सामना करते हुए भारत ने अपनी वायु सेना और बोफोर्स तोप को तैनात कर अपनी रक्षा की। उसी साल एक भारतीय यात्री विमान का अपहरण हुआ, जिसे पहले लाहौर, फिर कांधार ले जाया गया। भारत को विमान, चालक दल और यात्रियों की सुरक्षित रिहाई के लिए चार कश्मीरी आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा। पच्चीस वर्ष बाद भी इन विफलताओं पर भारत में बहुत कम चर्चा हुई है। पाकिस्तान के वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक नजम सेठी कहते हैं, 'भारत के साथ पाकिस्तान ने जितने भी युद्ध किए, सभी में हार गया, हालांकि उसी ने इसकी योजना बनाई थी, पर कुछ हासिल न कर सका।'

पहले सर्दियों में कारगिल क्षेत्र की ऊंचाइयों वाली चौकियों को दोनों देशों के सैनिक खाली कर देते थे और फिर वसंत के मौसम में वहां तैनात हो जाते थे। 1999 की सर्दी में पाकिस्तानी फौज ने भारतीय सेना से पहले ही कारगिल द्रास एवं बाल्टिक की सामरिक ऊंचाइयों पर स्थित अग्रिम चौकियों पर आतंकियों के सहयोग से कब्जा कर लिया। हालांकि उसने ऐसा भारतीय इलाके पर कब्जे के लिए नहीं, बल्कि भारत पर सामरिक बढ़त पाने के लिए किया था। यदि वह सफल हो जाता, तो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एक को अवरुद्ध करके कश्मीर घाटी और लद्दाख के बीच संपर्क खत्म कर सकता था। पाकिस्तानी योजनाकार चाहते थे कि भारत को सियाचिन ग्लेशियर छोड़ने और कश्मीर पर बातचीत करने के लिए मजबूर किया जाए। लेकिन 1984 में सियाचिन ग्लेशियर पर कब्जे के बाद से आज तक भारत उस पर कब्जा जमाए हुए है। कारगिल युद्ध के बाद दोनों में से कोई भी पक्ष दुनिया के इस सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र को छोड़ना नहीं चाहता है। पाकिस्तानी लेखक तारिक अकील के अनुसार, सैन्य मामलों की सीमित जानकारी होने के कारण नवाज शरीफ भारतीय सेना की पलटवार करने की क्षमता से वाकिफ नहीं थे। 'वह इस भ्रम में थे कि घुसपैठिये सफल हो जाएंगे और कारगिल पर कब्जा कर लेंगे, जिससे भारत को कश्मीर पर अंतिम समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सकेगा और वह इतिहास में कश्मीर विजेता के रूप में जाने जाएंगे।' पाकिस्तानी योजनाकारों ने मान लिया था कि चूंकि पाकिस्तान परमाणु शक्ति संपन्न है, इसलिए भारत अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कोई बड़ा कदम नहीं उठाएगा। अंतरराष्ट्रीय समुदाय प्रारंभिक चरण में ही हस्तक्षेप करेगा, जिससे नियंत्रण रेखा के पार मिली बढ़त पर पाकिस्तान का कब्जा हो जाएगा तथा चीन पाकिस्तान का पक्ष लेगा और भारतीय सेना ऊंचाई पर लड़ने के लिए प्रशिक्षित पर्याप्त सैनिक नहीं जुटा पाएगी। लेकिन ये सारी बातें गलत साबित हुईं। किसी ने भी पाकिस्तान की इस बात को नहीं माना कि कश्मीरी स्वतंत्रता के लिए भारतीय सेना से लड़ रहे हैं और उनमें पाकिस्तानी सेना शामिल नहीं है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने नवाज शरीफ को आदेश दिया कि वह सभी पाकिस्तानी सैनिकों की भारतीय चौकियों पर से वापसी सुनिश्चित करें। हालांकि कारगिल युद्ध ने छोटे पैमाने पर और सीमित भौगोलिक सीमाओं के साथ ही दोनों देशों में गहन सामरिक विश्लेषण को प्रेरित किया। भारत ने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की कमियों पर चर्चा की। वाजपेयी सरकार ने के. सुब्रमण्यम के नेतृत्व में पाकिस्तानी हमलों के लिए जिम्मेदार घटनाओं तथा सशस्त्र घुसपैठियों के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा

के रक्षा उपायों की सिफारिश के लिए कारगिल रिव्यू कमेटी गठित की। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राजनीतिक, नौकरशाही, सैन्य और खुफिया प्रतिष्ठानों ने यथास्थिति बनाए रखने में अपना निहित स्वार्थ खोज लिया है। उसने जोर देकर कहा कि कारगिल युद्ध, पाकिस्तान की ओर से चल रहे छद्म युद्ध और परमाणु सुरक्षा वातावरण को देखते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा की जरूरत है। गंभीरता को रेखांकित करते हुए, खुफिया तंत्र, आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और रक्षा प्रबंधन का मूल्यांकन करने के लिए चार कार्यबलों की स्थापना की गई।

सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का हुआ समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा का शनिवार को एआरटीओ कार्यालय के प्रांगण में आयोजित किया गया। जिसमें चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी दी गयी। यातायात क्षेत्राधिकारी देवेश गुप्ता ने कहा हम सभी को यातायात के नियमों का पालन करें, अगर आप लोग के परिवार से कोई वाहन लेकर घर से निकले तो उनको हेलमेट के लिए पहले जागरूक व उनको हेलमेट पहना कर घर से भेजे। हेलमेट हम लोगों के जीवन का अहम हिस्सा है। वाहन चलाते समय जल्दबाजी नही करनी चाहिए , धीरे वाहन चलाकर दुर्घटना से बचा जा सकता है। हम लोगों की जिम्मेदारी है वाहन चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करें। वाहन चलाते समय पर्स में चार चीजों का रखना जरूरी है ,ड्राइविंग लाइसेंस, गाड़ी के कागजात, पीयूसी, इंसोरेंस जरूर रखें। जिलें में विगत एक साल से हेलमेट न लगाने व गाड़ी में सीटबेल्ट न लगाने व काला शीशा लगाकर चलने वालों में कमी आई है।एआरटीओ प्रवर्तन एसपी सिंह ने कहा कि यातायात के नियमों का पालन कर हम एक नए समाज का निर्माण कर सकते है। यातायात निरीक्षक जीडी शुक्ला ने स्कूली बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग हम जैसे आप भी समाज का एक अंग है। बच्चों से कहा कि पहले अपने घर को व समाज को जागरूक करें उसका बाद आप लोग वाहन चलाते है तो यातायात के नियमों के पालन करें। आरआई अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि जब हर घर मे लोग यातायात के लिए जागरूक हो जाएंगे , तो दुर्घटनाओं में कमी हो जाएगी। हम लोगों को जागरूक करने के लिए काम कर रहे है। वाहन चलाते समय विशेष बातों का ध्यान रखने की जरूरत है वाहन चलाते समय बीआईएस मार्क का हेलमेट अवश्य पहनें, वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य लगाएं ,अपनी लेंन में ही वाहन चलाएं, तेज रफ्तार से वाहन चलाए, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करे, नशे में वाहन न चलाये, बिना लाइसेंस के वाहन न चलाये, सारी बातों की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के अंत मे मोमेंटो देकर सीओ यातायात को सम्मानित किया गया। यातायात निरीक्षक जीडी शुक्ला ने वहाँ उपस्थित लोगों को यातायात नियमों के प्रति शपथ दिलाई। इस मौके पर शनि सिंह, अर्पित श्रीवास्तव,नवीन पांडेय, राजन राय, गुंजन यादव, अमित कुमार, आदि लोग रहे मौजूद रहे।

बहुजन समाज के लिए मायावती का शासन रहा यादगार – श्रीकला सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर स श्रीकला धनंजय सिंह ने जगह– जगह जुटी महिलाओं को संबोधन में कहा की देश की आजादी के बाद से अब तक की शासन व्यवस्था में बसपा सुप्रीमो मायावती का शासन यूपी की महिलाओं, दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों और अल्प संख्यकों के लिए यादगार रहा।

शनिवार को बसपा प्रत्याशी श्रीकला धनंजय सिंह ने जौनपुर संसदीय क्षेत्र के मलहनी विधान सभा में भ्रमण किया स बक्शा ब्लॉक के गढ़ा बाघराय, मखदुमपुर, समेत आधा दर्जन गावों में महिलाओं की अधिक संख्या में मौजूदगी में नुक्कड़ सभा जैसा माहौल बना दिया स दिलचस्प ये रहा की इन इलाकों में पिछड़े, अति पिछड़े और दलित एवं चौहान बस्तियों के लोगों में बसपा सुप्रीमो मायावती और श्रीकला का क्रेज ज्यादा नजर आया।

नुक्कड़ सभाओं में तमाम बुजुर्ग महिलाएं जहाँ उन्हें आशीर्वाद और दुआएं देती दिखीं वहीं अधेड़ महिलाएं और युवतियों की नजर में श्रीकला मायावती की प्रति रूप दिखती रहीं स कुछ तो कहती मिलीं की हमारे लिए तो यही मायावती हैं।

श्रीकला सिंह ने कहा की केंद्र सरकार में बसपा का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा तभी आपके लिए बहन मायावती और बेहतर जीवन की जरूरतों पर ध्यान देंगीस आपका एक– एक वोट वर्तमान दुर्व्यवस्था पर चोट करेगा स सभी को बहन मायावती की मजबूती के लिए एकजुट होकर वोट करना है।

मतदान और मतगणना के 48 घंटे पहले बन्द रहेगी सभी मदिरा की दुकान – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड ने अवगत कराया है कि जनपद जौनपुर में मतदान 25 मई 2024 को होना है। अतः मतदान समाप्ति से 48 घण्टे पूर्व अर्थात 23 मई 2024 को सांय 6.00 बजे से 25 मई 2024 को सांय 6.00 बजे अथवा मतदान समाप्ति तक जनपद जौनपुर की समस्त थोक व फुटकर देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, माडलशाप, भांग, बार तथा ताड़ी अनुज्ञापन पूर्णतया बन्द रहेंगी। वाराणसी, गाजीपुर, लोक सभा क्षेत्र में मतदान 01 जून 2024 को होगा। अतः मतदान समाप्ति से 48 घण्टे पूर्व अर्थात 30 मई 2024 को सांय 6.00 बजे से 01 जून 2024 को सांय 6.00 बजे अथवा मतदान समाप्ति तक जनपद वाराणसी, गाजीपुर, लोक सभा क्षेत्र की सीमा से 08 कि०मी० की परिधि में स्थित जनपद जौनपुर की समस्त फुटकर देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, माडलशाप, भांग, बार तथा ताड़ी अनुज्ञापन पूर्णतया बन्द रहेगी। मतगणना 04 जून 2024 को होगी। अतः 04 जून 2024 को मतगणना समाप्ति तक जनपद जौनपुर की आबकारी की समस्त थोक व फुटकर देशी शराब, विदेशी मदिरा, बीयर, माडलशाप, भांग, बार तथा ताड़ी अनुज्ञापन पूर्णतया बन्द रहेगी। उपरोक्त अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार के मादक पदार्थ का न तो संचय करेगा न ही वितरण करेगा और न ही परिवहन करेगा। उक्त बन्दी का कोई भी प्रतिफल अनुज्ञापियों को देय नही होगा। इस आदेश का कड़ाई से अनुपालन करने निर्देश दिया है।

जौनपुर की जनता संविधान बचाने वालों के पक्ष में वोट करेगी – बाबू सिंह कुशवाहा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के लोकसभा जौनपुर के प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को दो सेट में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन में उनके साथ जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ,पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव शामिल रहे। बाबू सिंह कुशवाहा नामांकन से वापस लौटते समय पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जनता उनको सबक सिखाने के लिए तैयार हो गयी है। जो लोग संविधान बदलने की बात करते है,जातीय जनगणना नही करा रही है। जो रिजर्वेशन के खिलाफ है, जो इस देश के गरीब ,कमजोर के खिलाफ है। उन लोगों को सबक सिखाने के लिए जौनपुर की जनता मन बना चुकी है।यहाँ की जनता सपा को वोट देकर जीताने का काम करेगी। जो लोग मुझपर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे है। वो लोग अपने गिरेबान में झांक कर देख लें। हमारी लड़ाई विचारधारा की है, हमारी लड़ाई जो संविधान को बदलने की बात करते है उनसे है। जौनपुर की जनता संविधान बचाने वालों के पक्ष में वोट करेगी। जो लोग हमको बाहरी प्रत्याशी कह रहे है हम उनको जवाब देना चाहते है कि रविकिशन जौनपुर से होकर गोरखपुर से सांसद है क्या वो बाहरी नही है।

सड़क सुरक्षा परववाड़ा के दिलाई गयी शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अन्तर्गत 03 मई 2024 को सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय में जनपद के समस्त ट्रक / टैम्पो / बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं कार्यालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सड़क सुरक्षा का शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) जौनपुर रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) जौनपुर सत्येन्द्र कुमार सिंह एवं सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) अशोक कुमार श्रीवास्तव द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी एवं जनमानस से सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन किये जाने पर बल दिया गया।

हरदोई में भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन में कांता कर्दम बोलीं – देश मोदी के साथ, आधी आबादी का है साथ

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) शनिवार को बाल विद्या भवन पब्लिक स्कूल में भाजपा महिला मोर्चा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में 31 लोकसभा के प्रत्याशी जय प्रकाश रावत को क्षेत्र से भारी संख्या से जिताने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद कांता कर्दम तथा भाजपा महिला मोर्चा अवध क्षेत्र अध्यक्ष गोदावरी मिश्र एवं लोकसभा प्रभारी दिनेश दुबे का फूल माला पहनाकर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता एवं स्कूल प्रबंधक कीर्ति सिंह ने स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद कांता कर्दम ने कहा कि विगत दस वर्षों में देश की महिलाओं के सशक्तिकरण में भाजपा ने अनेक निर्णय लिए, जिसकी गारंटी पीएम नरेंद्र मोदी ने ली और उस गारंटी का परिणाम है आज देश की आधी आबादी भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने महिलाओं के संपूर्ण विकास के लिए ऐतिहासिक और अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। भाजपा ने महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रख उज्जवला योजना की शुरूआत की, 2014 और 2017 से पहले की सरकारों की बदहाल कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने का काम किया। गुंडों माफियाओं और रोड साइड रोमियो को जेल पहुंचाने का काम किया और भयमुक्त वातावरण का निर्माण किया। नतीजा बहन बेटियां बिना डरे घर से बाहर निकल रही है। भाजपा की कल्याणकारी योजनाओं से महिला उद्यमियों को बढ़ावा दिया। गांव की बहनों के लिए योजनाओं के मध्य से सशक्त बनाकर उन्हें लखपति दीदी बनाने का कार्य किया। कांग्रेस पार्टी पर प्रहार करते हुए कहा कि 60 साल में देश और देशवासियों का विकास किया गया होता तो न गरीबी होती और न गरीब होते। गरीबी हटाओ का नारा देकर कांग्रेस पार्टी ने सिर्फ अपने परिवार को अमीर और साधन संपन्न बनाया। कहा कि देश की महिलाओं ने एक बार फिर से केंद्र में भाजपा सरकार का गठन करने का जो संकल्प लिया है वह अवश्य पूरा होगा।

देश की माताएं व बहनें नरेन्द्र मोदी के साथ – गोदावरी मिश्रा

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अवध क्षेत्र गोदावरी मिश्र ने कहा कि देश की माताएं और बहनों का आशीर्वाद भाई नरेन्द्र मोदी के साथ हैं। 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव में मातृ शक्ति ने नरेन्द्र मोदी का साथ दिया था। अब 2024 में मोदी की गारंटी से देशवासियों के जीवन को आर्थिक और सामाजिक समानता का अवसर प्राप्त हुआ है उससे आनंदित होकर जनता 400 पार के नारे को हकीकत में बदलने जा रही है। उन्होंने कहा कि देश को पहला ऐसा प्रधानमंत्री मिला जिसने महिलाओं के विषय में सोचा और उन्हें बराबरी को मौका दिया। वर्षों से लंबित पड़ी महिला आरक्षण की मांग को पूरा करने का काम किया। राष्ट्रपति से लेकर पंचायत तक महिलाओं को अवसर उपलब्ध कराए, जिससे मातृ शक्ति आगे बढ़ साज और देश अपना योगदान दे सके।

मातृ शक्ति भारत की संस्कृति का आधार रू भाजपा जिलाध्यक्ष

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने कहा कि हमारी मातृ शक्ति हमारी ताकत है। भाजपा सरकार की हर घर जल योजना से बहनों के घर शुद्ध जल पहुंचने का काम किया गया। पूर्व की सरकारों ने महिलाओं की समस्याओं पर कभी गौर नहीं किया कि कैसे सुबह उठकर नल के आगे घंटों खड़ा होना पड़ता था। कहा कि गांव देहात से लेकर शहर की महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का कार्य किया गया। महिलाओं के नाम बैंक खाता, महिलाओं के नाम राशन कार्ड, महिलाओं के नाम घरौनी, आयुष्मान योजना एवं शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को पुरुषों के समान अवसर प्रदान करने का काम किया। वहीं कांग्रेस पार्टी महिला सशक्तिकरण के नाम पर सिर्फ धोखा देती है। इसका उदाहरण कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा के साथ हुए दुर्व्यवहार के प्रकरण ने उजागर कर दिया। जिस पार्टी में महिलाओं को सम्मान नहीं मिल पा रहा वह देश की महिलाओं के सम्मान की बात किस आधार पर करती है? सम्मेलन में जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष अलका गुप्ता ने कहा जो संकल्प हमारी माताओं और बहनों ने 2024 लोकसभा में भाजपा सरकार बनाने का लिया है उसके लिए अगले चंद दिनों तक भाजपा सरकार के कार्यों के बारे में जन संपर्क अभियान चलाएंगी और पार्टी के प्रत्याशी को रिकॉर्ड मतों से जिताकर मोदी के हाथों को मजबूत बनाएगी। इस मौके पर सम्मेलन में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती, भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं महिला मोर्चा प्रभारी राजेश अग्निहोत्री, 31 लोकसभा संयोजक प्रीतेश दीक्षित, जिला महामंत्री ओम वर्मा, महिला मोर्चा क्षेत्रीय कार्यसमिति सदस्य लक्ष्मी राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी गंगेश पाठक, सह मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता, महिला मोर्चा महामंत्री रीना गुप्ता, नगर अध्यक्ष मधुबाला, मीडिया प्रभारी कविता, अनुराधा मिश्र, सुहाना जैन सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा कार्यकर्ता एवं महिला शक्ति की मौजूदगी रही।

‘चुनाव से पहले सपा को लगा बड़ा झटका’

‘ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव’ ‘शाहजहांपुर’ चौथे चरण के चुनाव से लगभग एक सप्ताह पहले सपा को बड़ा झटका लगा है। शाहजहांपुर से सपा प्रत्याशी बदलने के बाद सपा नेता राजेश कश्यप ने बीजेपी का दामन थाम कर सपा के खेमे में खलबली मचा दी है। आपको बता दें कि शाहजहांपुर में चौथे चरण का मतदान 13 मई को होना है। हाल में सपा प्रत्याशी राजेश कश्यप नामांकन करने के बाद टिकट कट जाने से काफी नाराज थे। इसके अलावा खुटार नगर पंचायत अध्यक्ष मैना देवी ने भी सपा छोड़कर अपने समर्थकों के साथ बीजेपी में शामिल होकर सदस्यता ग्रहण की है। वित मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सभी को सदस्यता दिलवायी और सभी को बधाई दी। सदस्यता का कार्यक्रम वित्त मंत्री के कार्यालय राजभवन में सम्पन्न हुआ। शनिवार की सुबह लगभग नौ बजे राजेश कश्यप और नगर पंचायत अध्यक्ष मैना देवी अपने समर्थकों के साथ राज भवन पहुंचे। जहाँ पर वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सभी को पुष्प माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। राजेश कश्यप ने सपा के ऊपर धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस प्रकार से मेरा टिकट काटकर ज्योत्सना को टिकट दिया गया है आने वाले चुनाव में परिणाम भुगतने के लिये सपा तैयार रहे। माना जा रहा है कि चुनाव के पहले इन नेताओं के पार्टी छोड़कर जाने से सपा को काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। भाजपा में शामिल राजेश कश्यप एवं मैना देवी ने विश्वास जताते हुए कहा कि भाजपा की जीत तय है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बीजेपी लोकसभा प्रत्याशी अरुण सागर एवं ददरौल विधान सभा प्रत्याशी अरविंद सिंह को भारी बहुमत से जिताने की सभी से अपील की।

सीएम योगी के गड्ढा मुक्ति सड़को के दावे खोखले

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सड़कों की गड्ढा मुक्ति का दावा शाहगंज के सेंट थॉमस भादी रोड खोखला साबित कर रही है। सेंट थॉमस इंटर कॉलेज और राजकीय महिला डिग्री कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे इसी क्षतिग्रस्त और गड्ढे युक्त सड़क से होकर आते जाते हैं। महज 700 मीटर लंबी सड़क है जिससे प्रतिदिन सैकड़ो छात्र–छात्राऐ और हजारों राहगीरों का आवागमन होता है। इस सड़क पर विभिन्न विद्यालयों की बसें भी सुबह शाम झूमते चलती हैं। कई साल से टूटी सड़क बड़े–बड़े जानलेवा गड्ढों में तब्दील हो गई है।सड़क के किनारे पटरी पर लोग सीढ़ियां और घर बनाकर अतिक्रमण कर दिया गया है। चंद मीटर की दूरी पर तहसील और एसडीएम आवास है। इस सड़क से प्रशासन के आला अधिकारी भी गुजरते हैं लेकिन वह भी दबंगों के अतिक्रमण को नजरअंदाज करके निकल जाते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे सड़क पर अवैध कब्जा सीएम योगी के जीरो टॉलरेंस की नीति की धज्जियां उड़ा रहा है। सड़क की पटरी पर अतिक्रमण से सड़क इतनी संकरी हो गई है मानो गली में तब्दील हो गई है।सड़क गली में बदल जाने से आने जाने वाले स्कूली वाहनों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है और जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। सड़क से अवैध अतिक्रमण हटवाना प्रशासन के लिए चुनौती का विषय बन गया है।यह अत्यंत व्यस्त सड़क है।नई सड़क बनवाना छात्र–छात्राओं उनके अभिभावकों,समय और आम जनमानस की मांग है। दो बड़े और प्रतिष्ठित कॉलेजों में पढ़ने वाले करीब 2000 छात्र–छात्राएं लगभग 20 किलोमीटर की परिधि से साइकिल से स्कूल आते जाते हैं। उक्त प्रकरण के संबंध में उप जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि आचार संहिता समाप्त होने के बाद सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लोहिया संस्थान का सामाजिक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु तथा स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रशिक्षण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के अन्तर्गत आनेवाला ग्रामीण स्वास्थ्य एवं प्रशिक्षण जुगगौर स्थित केंद्र ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगो को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाऐं उपलब्ध कराता है , साथ ही यहाँ डठठै ,च्ल एवं नर्सिंग छात्रो को प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। माह के प्रथम सप्ताह में विशेषज्ञ क्लीनिक की भी व्यवस्था है।

इन सभी सुविधाओं को सुदृढ करने के लिए हेतु जुगगौर में नई इमारत का निर्माण कार्य हो रहा है,यहां इन्टर्नस एवम पी जी डाक्टर्स के रहने की व्यवस्था भी की जा रही है।

शुक्रवार को स्वयं निदेशक प्रो०सी०एम०सिंह द्वारा निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया गया यथोचित निर्देश दिए।

संस्थान ग्रामीण स्वास्थ्य एवम प्रशिक्षण केंद्र मे सक्रिय रूप से महत्वपूर्ण दिवस का आयोजन करता है,विशेषकर महिलाओं और बच्चो के स्वास्थ्य एवं संरक्षण के अन्तर्गत जागरूकता हेतु प्रतियोगिताऐ और कार्यक्रम आयोजित कर्ता है।

गरीब असहाय की हितैषी नही हैं राजनैतिक पार्टियां - अरुणिमा पाण्डेय

– गोण्डा व कैसरगंज दो लोकसभा सीटों पर देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय ने भरी हुंकार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा के गोण्डा व कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र से अधिकृत प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय का नामांकन जिला निर्वाचन अधिकारी की जांच के उपरांत स्वीकृत कर दिया गया है। श्रीमती पाण्डेय दोनों सीटों से चुनाव लड़ेंगी। शनिवार को नामांकन पत्र के जांच में गोण्डा लोकसभा क्षेत्र से सात व कैसरगंज क्षेत्र से पांच प्रत्याशी चुनाव में भाग्य आजमाएंगे।

देवीपाटन मंडल मुक्ति मोर्चा की प्रत्याशी अरुणिमा पाण्डेय ने पटेल नगर स्थित चुनाव कार्यालय में मोर्चा के कार्यकर्ताओं व समर्थकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रदेश व केन्द्र में सक्रिय सभी राजनैतिक पार्टियों का लक्ष्य पूंजीपतियों का संरक्षण, वर्ग विशेष की हिमायती बन गई हैं। उनके नेता जनसेवा को भूलकर राजनीति में परिवार वाद चला रहे हैं। श्रीमती अरुणिमा पाण्डेय ने कहा कि सभी पार्टियों के चुनाव के दौरान जारी किए गए घोषणा पत्र उनके संकल्प नही झूठ का पुलिन्दा है। उन्होंने कहा कि जनपद के गोण्डा और कैसरगंज में कुछ ही परिवारों का राजनैतिक वर्चस्व है। जिसके नेताओं ने अपना प्रभाव जमाने के अतिरिक्त विकास का कोई काम नही किया। देवी पाटन मंडल में एक भी उद्योग नही है जहां बेरोजगार युवा जीविका प्राप्त कर सकें। उच्च शिक्षण संस्थानों का अभाव है। विश्वविद्यालय तक यहां से स्थानांतरित करा दिया गया।

श्रीमती अरुणिमा पाण्डेय ने कहा कि लोकसभा सदस्य का दायित्व बौद्धिक वर्ग को जब तक नही मिलेगा तब तक क्षेत्र का विकास संभव नही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उद्योग, शिक्षा का विकास व महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान की रक्षा ही उनका चुनावी संकल्प है। युवाओं को रोजगार से जोड़ने का वह मुहिम चलाएंगी।

प्रत्याशी प्रतिनिधि राजकुमार पाण्डेय ने मोर्चा की ओर से किए गए चुनावी तैयारी व जनसंपर्क की जानकारी दी। इस मौके पर केदारनाथ मिश्र देवनाथ मिश्र सूरजप्रसाद कमला प्रसाद राधेश्याम ज्ञान प्रकाश राघवेन्द्र पाण्डेय सुरेन्द्र पाण्डेय पंकज मिश्र आदर्श मिश्र व विजय पाठक आदि मौजूद रहे।

कैसरगंज में पांच व गोण्डा में सात प्रत्याशी चुनाव मैदान

गोण्डा। लोकसभा क्षेत्र के आगामी 20 मई को होने वाले मतदान के लिए कैसरगंज क्षेत्र से भाजपा से करन भूषण सिंह, सपा से भगतराम, बसपा से नरेन्द्र पाण्डेय, जयचंद सिंह व अरुणिमा पाण्डेय सहित पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। वहीं गोण्डा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा से कीर्ति बर्धन सिंह सपा से श्रेया वर्मा, बसपा से सौरभ, भारतीय शक्ति चेतना से राघवेन्द्र. विनोद कुमार सिंह, राम उजागर, राजकुमार एवं अरुणिमा पाण्डेय अधिकृत प्रत्याशी के रूप में चुनावी मुकाबले में हैं।

कांग्रेस प्रभारी महासचिव अविनाश पांडेय का 5 मई को जौनपुर में होगा प्रथम आगमन

जौनपुर। जनपद कांग्रेस मीडिया प्रभारी प्रवक्ता अनिल दूबे आजाद ने बताया कि 05 मई 2024 को राष्ट्रीय प्रभारी महासचिव अविनाश पाण्डेय का प्रथम आगमन जनपद जौनपुर मे हो रहा है। महासचिव आगामी लोकसभा चुनाव से सम्बंधित बैठक को रामजानकी मंदिर मडियाहू शाम 3 बजे और नदीम जावेद पूर्व विधायक आवास निकट आर एन टैगोर स्कूल जौनपुर मे शाम 5 बजे बैठक को सम्बोधित करेंगे।

मीडिया प्रभारी प्रवक्ता अनिल दूबे आजाद ने जारी बयान में बताया कि सभी पूर्व सांसद, विधायक, सांसद विधायक प्रत्याशी AICC PCC सदस्य, सभी फ्रंटल एवं अनुसंगिक संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, नगर, ब्लॉक वार्ड अध्यक्ष मय कमेटी, न्यायपंचायत अध्यक्ष मय कमेटी एवं जिला शहर कमेटी के पदाधिकारी गण एवं सम्मानित कार्यकर्ताओ की उपस्थिति आवश्यक है।

एक मैरिज हाल में सजी मुशायरे की महफिल

हरदोई (अम्बरीश कुमार सक्सेना) बीती रात नगर के रिज पैलेस मैरिज हाल में मुशायरे की महफिल सजाई गई जिसमें नामचीन शायरों ने शिरकत की। रिज पैलेस के मालिक एडवोकेट रिजवान उल्ला खान के बेटे एडवोकेट इमरान उल्ला खां की ओर से आयोजित मुशायरे की सदारत अधिवक्ता रिजवान उल्ला खान ने, जबकि निजामत मशहूर नाजिम नदीम फरुख ने की। मुशायरे में अवध बार एसोसिएशन के पूर्व उपाध्यक्ष वरिष्ठ वकील एस एम रहमान फैजी ने मेहमाने खुसूसी के तौर पर शिरकत की। कानपुर के मकनपुर से आए शायर आसिम मकनपुरी ने नात शरीफ और राजधानी लखनऊ से आई कवयित्री पूनम मिश्रा ने सरस्वती वंदना से मुशायरे की शुरुआत की। मुशायरे में गजल पढ़ते हुए स्थानीय शायर फैज हैदर वारसी ने पढ़ा – है कसम मुल्क में दंगे नहीं होने देंगे, मेरे भारत तेरे टुकड़े नहीं होने देंगे। सहारनपुर से आए मशहूर शायर बिलाल सहारनपुरी ने कलाम पेश करते हुए पढ़ा –इस साल भी वो फीस अदा कर नहीं सका, इस साल भी गरीब के बच्चे नहीं पढ़े। शायर शाहबाज तालिब ने पढ़ा –हर दुख पहले आ जाता है खुशखबरी देर से आती है, हम उस कस्बे में रहते हैं जहां चिट्ठी देर से आती है। लखनऊ से आए शायर शाहिद कमाल ने अपना कलाम पढ़ते हुए कहा –होना अगर यही है तो फिर बेहिसाब हो, वो कौन है जो मेरी तरह से खराब हो।

फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए 23 नामांकन किए गए

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार

अयोध्या। फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए शुक्रवार को सात प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। इसके साथ ही अब तक 23 प्रत्याशियों द्वारा 37 सेटों में अपना अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के पांचवें चरण में होने वाले चुनाव के लिए 26 अप्रैल को नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। शनिवार को नाम निर्देशन पत्रों की जांच की जाएगी। प्रत्याशियों द्वारा नाम वापसी की कार्यवाही सोमवार को की जायेगी, जिसके पश्चात चिह्न आवंटन किया जायेगा। जनपद में मतदान 20 मई को तथा मतगणना 04 जून को की जायेगी। अब तक भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी लल्लू सिंह द्वारा 4 सेट में, समाजवादी पार्टी प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने 4 सेट में, बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी सच्चिदानन्द, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी प्रत्याशी अरविन्द सेन ने 3–3 सेट में नामांकन दाखिल किया। इसी क्रम में मौलिक अधिकार पार्टी प्रत्याशी कंचन यादव, लोकतांत्रिक लोक राज्यम पार्टी प्रत्याशी अश्विनी कुमार पांडेय ने 02 सेट में, जन जनवादी पार्टी प्रत्याशी संदीप कुमार सिंह तथा निर्दलीय प्रत्याशी अरुण कुमार ने 02 सेट में नामांकन दाखिल किया। इसी तरह से अखिल भारतीय परिवार पार्टी प्रत्याशी रूद्र प्रताप सिंह, पूर्व सैनिक आल इंडिया दलित एवं निर्बल पार्टी प्रत्याशी सत्य प्रकाश यादव, भारत महापरिवार पार्टी प्रत्याशी अम्बरीष देव गुप्ता, बहुजन मुक्ति पार्टी प्रत्याशी फरीद सलमानी, राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी प्रत्याशी अनिल कुमार, भारतीय जन–जन पार्टी प्रत्याशी राजितराम, अखिल भारतीय कल्याण पार्टी प्रत्याशी जगत सिंह, आदर्शवादी कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी बृजेन्द्र दत्त त्रिपाठी, राष्ट्रीय परिवर्तन दल प्रत्याशी सुनील कुमार भट्ट तथा निर्दलीय प्रत्याशी कृष्ण कुमार, लालमणि, पवन कुमार तिवारी, राम प्रहलाद, रामपाल व बृजभूषण द्विवेदी ने एक–एक सेट में अपना नामांकन दाखिल किया।

मारपीट मामले में दो गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली कैंट क्षेत्र में वृद्ध महिला के घर में घुस कर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा महिला के साथ मारपीट करने व लूटपाट मामले के आरोपियो को कैंट पुलिस व सर्विलांसध्एसओजी टीम ने गिरफ्तार किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी निरीक्षक कैंट थाना संजय मौर्या ने बताया कि अमरीश त्रिपाठी प्रभारी सर्विलांस सेल/एसओजी,ध र्मेन्द्र कुमार सिंह प्रभारी चौकी सहादतगंज थाना कोतवाली कैन्ट,प्रशिक्षु उप निरीक्षक मनीष कुमार थाना कैंट की मदद से आठ अप्रैल को मझवां गद्दोपुर में वृद्ध महिला के घर में घुस कर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा महिला के साथ मारपीट करते हुए घर के आभूषण व नगदी लूटपाट के मामले में आरोपी विनीत मिश्रा पुत्र रामकुमार मिश्रा निवासी हरखीपुर थाना कुड़वार जनपद सुल्तानपुर तथा सुभी वर्मा पुत्री दिलीप वर्मा निवासी ग्राम बहादुरपुर इल्तिफातगंज जनपद अम्बेडकरनगर को गद्दोपुर क्रासिंग के पास से समय बजे गिरफ्तार किया।

ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार का प्रमुख स्रोत बन सकता है केला - प्रेमवती पांडे

अयोध्या। आमतौर पर देखा जाता है कि खेती की प्रति युवाओं में कोई आकर्षण नही होता है जिसका प्रमुख कारण आमदनी का कम होना तथा समय पर पैसा न मिलना होता है ,किंतु खेती ऐसी हो जिससे हमें आमदनी के साथ साथ एक व्यवसाय का भी एहसास हो और बाहर घूमने का भी मौका मिले तो यह केला कि खेती हो सकती है।उपरोक्त बाते हस्तशिल्प की राष्ट्रीय प्रशिक्षिका प्रेमवती पांडे अमानीगंज विकास खंड में ओंकार सेवा संस्थान द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में कही । प्रेमवती पांडे महिलाओं को केला के रेशा से झोला ,ज्वेलरी के सामान ,नेपकिन आदि बनाना सिखा रही है । नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक कमलेश यादव के दिशा निर्देश में संचालित उपरोक्त कार्यक्रम में महिलाओं को केला को एक व्यवसाय के रूप में स्थापित करने का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ,जिसमे प्रतिदिन अलग अलग विषयों पर जानकारी प्रदान की जाती है । विश्व स्तर पर देखा जाय तो तो भारत सबसे बड़ा केला उत्पादक देश है,यदि हम केला के तने से रेशा निकालकर बेच दें तो प्रति एकड़ एक से डेढ़ लाख रुपए तक की अतिरिक्त आमदनी किसान को हो सकती है जबकि उसी रेशा से यदि उत्पाद बनवा कर बेचा जाए तो यह आमदनी साढ़े तीन से चार लाख रुपया में हो सकती है । कार्यक्रम समन्वयक सूर्य कुमार त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में युवाओं को रोजगार देने के लिए हमे केला की खेती का क्षेत्रफल बढ़ाना होगा इससे हमे फल के रूप में तथा रेशा और रेशा से बने हुए उत्पाद के रूप में इसके साथ ही तरल खाद के रूप में आमदनी होगी । समग्र दृष्टि से देखा जाए तो ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी बनाने तथा युवाओं का शहरो की तरफ पलायन रोकने के लिए केला की खेती एक बेहतर विकल्प हो सकता है ,ओंकार सेवा संस्थान के द्वारा अब तक सैकड़ों महिलाओं को केला रेशा के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा चुका है । कार्यक्रम में गुड्डा ,गीता सिंह ,प्रीति ,ज्ञानवती ,राज कुमारी द्विवेदी ,प्रियंका ,संगीता सहित तीसरे बैच की सभी तीस महिलाएं उपस्थित रहीं ।

अयोध्या राम नगरी में इसी रथ से होगा प्रधानमंत्री का रोड शो

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या भाजपाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो की तैयारी बड़े जोर शोर के साथ लगे हुए हैं, इस बार पीएम मोदी का रोड शो ऐतिहासिक होगा, 50 हजार भीड़ इकट्ठा करने की तैयारी में भाजपा भाजपा कार्यकर्ता जुटे हुए हैं, 5 मई को शाम 4रू00 बजे पीएम मोदी का रोड शो शुरू होगा जो सुग्रीव किला से लता चौक तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे रोड शो करेंगे, राम पथ पर लगभग 2 किलोमीटर का अयोध्या धाम में होगा रोड शो, 40 ब्लॉकों में रोड शो मार्ग को बांटा गया है, ब्लॉक में होंगे सिंधी, पंजाबी, किसान, महिला, खिलाड़ी सभी लोग होंगे पारंपरिक वेशभूषा में, जगह–जगह होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम, रोड शो के दौरान पुष्प वर्षा की जायेगी,

वरिष्ठ भाजपा नेता बांके बिहारी मणि त्रिपाठी ने बयान दिया कि शेष बचे चरणों के लिए अयोध्या से संदेश जाएगा,सभी प्रत्याशियों को इसका लाभ मिलेगा,50 हजार भीड़ इकट्ठा करने की तैयारी को मदेनजर नजर में रखते हुए सुरक्षा को लेकर बोले एसएसपी राज करण नैय्यर ने कहा रोड शो के रूट पर होगी अभूतपूर्व सुरक्षा, जोन और रेंज से मुहैया कराया गया अतिरिक्त पुलिस बल, पीएसी भी होगी तैनात, सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में फोर्स तैनात की जाएगी।

प्रधानमंत्री के रोड शो को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने अयोध्या में डारा डेरा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। प्रधानमंत्री के नया घाट लता मंगेशकर चौक से बिड़ला धर्मशाला के बीच प्रस्तावित रोड–शो को लेकर केंद्रीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने कमान संभाल ली है। लखनऊ से रोड–शो के लिए रथ शुक्रवार को अयोध्या पहुँच गया। ड्यूटी में लगाए गए फोर्स की आमद शुरू हो गई है। सुरक्षा में पुलिस विभाग के विभिन्न दस्तों के साथ सुरक्षा मुख्यायल की टीम लगाई जानी है। साथ ही चप्पे–चप्पे की निगरानी के लिए ड्रोन, सीसीटीवी समेत सर्विलांस आदि तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जिले में डेरा डाले एसपीजी के अधिकारी पीएम व कार्यक्रम की सुरक्षा को लेकर निगरानी में जुटे हैं। बैठकों का दौर जारी है,साथ ही हिदायतें जारी की जा रही है।

सोनाली पार्क में स्वच्छता अभियान संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय रुड़की, हरिद्वार। सोनाली पार्क में स्थित गंग नहर घाट पर उपस्थित जनसमूह के सहयोग से स्वच्छता अभियान संपन्न किया गया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम गंग नहर घाट की सफाई की गई उसके बाद पार्क की सफाई के दौरान आइसक्रीम के रैपर, पॉलिथीन, बोतले बहुत मात्रा में पाई गई। इसके बाद स्वयंसेवकों द्वारा पौधों पर पानी डाला गया।

इस स्वच्छता अभियान में शिव शंकर, शिव सिंह, सुमित साहू, राहुल ठाकुर, गगनयादव, राहुल पुरी, मनन, आलोक द्विवेदी आदि स्वयंसेवकों ने सहयोग दिया।

अंत में अपने संदेश में आहार फाउंडेशन के निदेशक सुरभि तथा मन्नू भटनागर ने कहा कि इस

स्वच्छता अभियान में बहुत संख्या में जनसमूह द्वारा आइसक्रीम के रैपर पाए गए यदि हम इसे डस्टबिन में डालें तो हमें स्वच्छता अभियान में जबरदस्त सफलता मिलेगी।

पीएम मोदी के रोड शो की तैयारी को लेकर महापौर ने संतों के साथ की बैठक

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो को लेकर महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने बड़ा भक्तमाल में संतो के साथ बैठक किया। बैठक में संतों द्वारा प्रधानमंत्री के स्वागत व कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र व पुनः विश्वगुरु बनाने के संकल्पों को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अयोध्या के संतो का हमेशा समर्थन मिला है।राष्ट्रहित सर्वोपरि के भाव को आत्मसात करते हुए रामायण की शिक्षा को वैश्विक स्तर पर रामनगरी परिभाषित करती रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के रोड शो में आध्यात्मिकता व रामनगरी की संस्कृति का संगम दिखाई देगा। अयोध्या के संत व महंत इसमें अपना योगदान देंगे। इसके लिए रामनगरी के संतो व महंतों के साथ सम्पर्क व संवाद की श्रंखला चलाई गयी। सभी को कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया। प्रबुद्धजन के साथ विशेष रुप से सम्पर्क किया गया। इसके साथ में आयोजन को लेकर विभिन्न स्थानो पर बैठक की गई। रोड शो की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।बड़ा भक्तमाल में आयोजित होने बैठक में महंत अवधेश दास, महंत जनार्दन दास,महंत कृपालुदास, महंत वैदेही वल्लभा शरण,महंत गिरीश दास सहित अन्य संत–महंत मौजूद रहे।

जिले में संचालित अवैध संस्थानों पर शिकंजा विभाग ने कसा शिकंजा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले में शुक्रवार को भी चले जांच अभियान में पूराबाजार क्षेत्र में चार स्कूल और कॉलेज अवैध मिले। इनमें से सभी कोचिंग का रजिस्ट्रेशन करा कर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट कॉलेज चला रहे हैं। वहीं गुरुवार को पकड़े हुए सभी चार अवैध कॉलेजों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. राजेश कुमार आर्या के निर्देश पर शुक्रवार को भी जांच अधिकारी डॉ. बसंत कुमार ने पूराबाजार ब्लॉक क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। इसमें स्कूल और कॉलेजों में भारी अनियमितताएं मिलीं। जांच अधिकारी द्वारा डीआईओएस को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि नारायण पब्लिक स्कूल शहनवा कोचिंग में पंजीकृत मिला। जिसकी अवधि भी वर्ष 2002 में समाप्त हो चुकी है। वहीं केएलडब्लू विद्या मंदिर शमशुद्दीनपुर भी अवैध रूप से संचालित मिला। यहां बेसिक और माध्यमिक दोनों की मान्यता नहीं पाई गई। छात्र उपस्थिति पंजिका और अन्य अभिलेख भी नहीं मिले। ओम प्रकाश विद्या मंदिर दर्शननगर पूराबाजार में भी मान्यता नहीं मिली।कॉलेज को लेकर कोई भी अभिलेख नहीं मिला।आरएलवी इंटर कॉलेज भी अवध कोचिंग संस्थान के नाम से संचालित मिला। यहां भी कोई अभिलेख नहीं मिले। जांच अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंप दी गई है।जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय के प्रभारी प्रदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार को जांच में अवैध पाए गए जय हिंद एकेडमिक इंटर कॉलेज सिघोरिया, बाबा दूधनाथ लघु माध्यमिक विद्यालय नेव कबीरपुर, सीआरटी पब्लिक स्कूल खजुरावर, ग्रामोदय किसान इंटर कॉलेज पिलखावा को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।सभी के प्रबंधक और प्रधानाचार्य को नोटिस जारी कर जवाब देने के लिए कहा गया है।जवाब न देने पर अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लल्लू सिंह को तीसरी बार जिताने के लिए घर घर पहुंच रहे भाजपा कार्यकर्ता

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या के यशस्वी सांसद लल्लू को तीसरी बार संसद भेजने को जहां एक तरफ जनता में उत्साह का माहौल है।वहीं दूसरी तरफ कर्मठ कार्यकर्ताओं की टीम घर घर पंहुच जनसंपर्क अभियान चलाकर लल्लू सिंह की जीत को एकतरफा बनाने का प्रयास करने में लगी हुई है।अगर देखा जाए तो वैसे तो लल्लू सिंह अपनी शैली व कुशल नेतृत्व के चलते किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं लेकिन रिकार्ड विजय के लिए कार्यकर्ताओं द्वारा तेजी से जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।किसी भी वर्ग में लल्लू सिंह की लोकप्रियता किसी से छिपी नहीं है और इसी लोकप्रियता के बल पर लल्लू सिंह लगभग 23 वर्ष नगर विधायक रहे व तीसरी बार सांसद के रूप में जनता उनको पुनः देखने को आतुर है। झारखंडी वार्ड में आज तीसरी बार जनसंपर्क अभियान वार्ड के पार्षद बृजेन्द्र बहादुर सिंह व पूर्व सभासद जय सिंह द्वारा अन्य कार्यकर्ताओं के साथ चलाया गया।

विकास इंसान पार्टी वीआईपी ने दिया इंडिया गठबंधन को समर्थन

अयोध्या। विकासशील इंसान पार्टी वीआईपी ने इंडिया गठबंधन को समर्थन दिया।वीआईपी पार्टी के जिला अध्यक्ष जसपाल निषाद ने इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता में इंडिया गठबंधन को समर्थन देने की घोषणा किया। पत्रकार वार्ता में इंडिया गठबंधन के लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व सपा मंत्री अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा सरकार की रवैए से जनता त्रस्त हो चुकी है। जिसके चलते इस बार जनता ने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने का मन बना लिया है। जिसके चलते इस बार लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत हासिल कर केंद्र में सरकार बनाने का काम करेगी। बताते चलें कि पत्रकार वार्ता के दौरान इंडिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद ने कई बार भगवान राम का नाम लिया।इस मौके पर सपा प्रत्याशी अवधेश प्रसाद का ने कहा कि वीआईपी पार्टी के समर्थन देने से इंडिया गठबंधन मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अयोध्या प्रस्तावित दौरे पर बोले अवधेश प्रसाद कहा, लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है, देवतुल्य जनता ने भाजपा की सरकार को हटाने का मन बना लिया है। अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की धरती है। फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार को हराने का जनता ने मन बना लिया है, अयोध्या में कोई आए कोई फर्क नहीं पड़ता।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की जो मर्यादा थी भाजपा की सरकार में मर्यादाएं टूटी है।इंडिया गठबंधन को समर्थन देते हुए विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) जिला अध्यक्ष जसपाल निषाद ने कहा कि पार्टी आलाकमान के निर्देश के पर उनके कार्यकर्ता पूरी लगन से इंडिया गठबंधन से फैजाबाद लोकसभा से चुनाव लड़ रहे सपा पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद को जिताने में कार्य करेंगे।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में निषाद समाज हमेशा ठगा सा महसूस कर रहा है। भाजपा सरकार निषाद समाज को रोजगार देने के बदले उन्हें उजाड़ने का कार्य कर रहा है।जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।इस मौके पर सपा व विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्किट हाउस अयोध्या के कक्ष संख्या 7 में मिलेंगे चुनाव प्रेक्षक

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिए यहां भेजे गए सामान्य प्रेक्षक आईएएस अफसर पी आकाश ने शुक्रवार को नामांकन कक्ष, पंचायत भवन, राजकीय इंटर कॉलेज, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण कमेटी आदि का निरीक्षण किया। बताया कि वे सर्किट हाउस अयोध्या के कक्ष संख्या सात में रूके हुये हैं। जहां कोई भी प्रत्याशी या सामान्य व्यक्ति उनसे सुबह 9.30 से 10.30 बजे तक मिल सकता है।दूरभाष नं. 9935576060 पर सम्पर्क कर सकता है। उन्होंने डीएम न्यायालय कक्ष के नामांकन कार्य को देखा। एआरओ/उपजिलाधिकारी सदर राजकुमार पांडेय से अब तक हुए नाम निर्देशन के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारीध्जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार भी मौके पर मौजूद रहे। इसके बाद कलेक्ट्रेट के ईवीएम वेयर हाउस में ईवीएम के रख रखाव की जानकारी ली। निर्देश दिए।

फिर पोलिंग पार्टियों की रवानगी स्थल को देखा। उप जिला निर्वाचन अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी प्रशासन एपी सिंह ने बताया कि जिले के पांचवें चरण की तीन विधानसभाओं मिल्कीपुर, बीकापुर व अयोध्या के पोलिंग पार्टियों की रवानगी जीआईसी और रूदौली विधानसभा के पोलिंग पार्टियों की रवानगी जीजीआईसी से होगी। छठे चरण के लिए जनपद अम्बेडकर नगर के तहत विधानसभा गोसाईगंज के पोलिंग पार्टियों की रवानगी राजकीय इंटर कॉलेज परिसर से की जाएगी। सभी विधानसभाओं का स्ट्रांग रूम जीआईसी में स्थापित किया जाएगा। पंचायत भवन में स्थापित व्यय कन्ट्रोल रूम में व्यय प्रेक्षकों से निर्वाचन सम्बंधी व्यय विवरण, आकलन आदि बिंदुओं पर जानकारी ली मौके पर मुख्य कोषाधिकारी ममता सिंह मौजूद रहीं। वहीं पर मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण कार्यों के बारे में क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारीध्सहायक एमसीएमसी मयंक तिवारी से अब तक निर्वाचन सम्बंधी पैड न्यूज, प्रकाशित खबरें, न्यूज मॉनिटरिंग, विज्ञापन अनुमति आदि बिंदुओं पर जानकारी ली।

झारखंडी मुहल्ले में 11000 बोल्ट की केबिल में लगी आग

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) साकेत महाविद्यालय प्राध्यापक डॉ महेंद्र पाठक के आवास के सामने स्थित बिजली के खंभे से लटक रही ढीली तार पर उत्पात मचा रहे बंदरों के कूदने व केबिल को हिला हिला कर उस झूलने से अचानक जोर का धमाका सुन पूरे मुहल्ले के लोग अनहोनी की आशंका से घरों से बाहर निकल आए।इसकी सूचना तत्काल बिजली घर सिविल लाइंस को दी गयी है।आग लगने व बिजली चली जाने से मुहल्ले के दर्जनों घर अंधेरे में डूब गये हैं।जिसे मुहल्लावासियों ने बिजली घर पर जिम्मेदारों को फोन से बता दिया है, आशंका है कि कोई बंदर भी इस चपेट में आकर मरने की आशंका है, चूंकि बिजली चली जाने व अंधेरे में काटने को दौड़ रहे बंदरों के भय से लोग सावधानी बरत रहे हैं।व्यापारी नेता विश्व प्रकाश रूपन व शैलेन्द्र सोनी रामू आदि ने शीघ्र बिजली आपूर्ति बहाल करने का निवेदन बिजली घर पर उपस्थित अधिकारियों से किया है।उन्होंने शीघ्र फाल्ट दूर कराने की बात कही है,खबर लिखे जाने तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है।

जिला चिकित्सालय में सक्रिय दलालों के चलते मरीज परेशान

अयोध्या। जिला पुरुष चिकित्सालय में सक्रिय दलालों के चलते वहां पर इलाज कराने आने वाले मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।परन्तु यहां पर सक्रिय दलालों पर जिला पुरुष चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक अंकुश लगाने में असमर्थ दिखाई दे रहे हैं।और हो भी क्यों न क्योंकि इस चिकित्सालय में इधर जितने भी प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों की तैनाती हुई वे कार्यवाहक प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक के रूप में ही तैनात रहे।मजे की बात तो यह है कि इन प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों की कार्यकाल कुर्सी संभालने के दो या तीन माह तक ही रहा।जिसके चलते जब भी कोई कार्यवाहक प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय में सक्रिय दलालों पर अंकुश लगाने के लिए कोई रणनीति बनाने की कोशिश करता है कि उसके बीच ही वे सेवा निवृत्त हो जाते हैं।इस संबंध में वहां पर तैनात कर्मियों ने बताया कि जब तक इस चिकित्सालय में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक पद पर किसी की स्थाई रूप से तैनाती नहीं की जाती तब तक यह समस्या बनी रहेगी।फिलहाल जिला पुरुष चिकित्सालय में दूर दराज से अपना इलाज कराने आने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों से सक्रिय दलाल यहां पर तैनात चिकित्सक व कर्मियों के मिली भगत से इलाज के नाम पर ठगते हैं।मजे की बात तो यह है कि ये दलाल जिला चिकित्सालय के मुख्य द्वार से प्रमुख वार्डों व पैथालॉजी, एक्सरे,सीटी स्कैन, इनडोर, आउटडोर, आपरेशन थियेटर सहित अन्य जगहों पर घूमते रहते हैं।जो यहां पर आने वाले मरीजों को इलाज के नाम पर ठगते हैं।इस संबंध में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ उत्तम कुमार ने बताया कि यह एक गंभीर समस्या है। दलालों पर अंकुश लगाने के लिए शीघ्र ही बैठक कर रणनीति बनाकर जिला संवाददाता में सक्रिय दलालों पर अंकुश लगाया जायेगा।

भारत यूथ अवार्ड के लिए रोहित तिवारी का हुआ चयन

अयोध्या।(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता) पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतर कार्य लिए भारत यूथ अवार्ड हेतु रोहित तिवारी को चयनित किया गया है। यह पुरस्कार उनके उत्कृष्ट लेखन और पत्रकारिता क्षमताओं को मान्यता देता है। बता दें कि श्री तिवारी एक जानी मानी और प्रतिष्ठित मीडिया हस्ती और परिचित मीडिया उद्यमी भी हैं।जो पिछले 14 वर्षों से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मौजूदा समय में वह एक प्रतिष्ठित समाचार चौनल समूह के संस्थापक और संपादक भी हैं।रोहित तिवारी ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा के साथ पत्रकारिता जगत में अपना नाम किया है। उनके अनूठे लेखन शैली और व्यापक ज्ञान ने उन्हें एक प्रमुख जर्नलिस्ट के रूप में उभारा है। रोहित तिवारी ने कई महत्वपूर्ण और विवादास्पद विषयों पर अपनी खोज और रिपोर्टिंग के माध्यम से लोगों के ध्यान को आकर्षित किया है।उनके लेखन की गहराई और समझदारी से उन्होंने भारतीय दुनिया को समझाया और समर्थन प्राप्त किया है।उन्होंने अपने क्षेत्र में निरंतरता और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम किया है। उन्होंने समाज की जरूरतों और मुद्दों पर अपनी आलोचनात्मक दृष्टि और सोच से चर्चा की है। लेखन और पत्रकारिता के अनुभव ने उन्हें जर्नलिज्म के क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति बना दिया है।उनका योगदान और समर्थन उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लायक बनाता है। भारत यूथ अवार्ड में चयन होने के बाद रोहित तिवारी जी को भारत यूथ अवार्ड की पूरी टीम ने बधाई दी है।रोहित तिवारी अयोध्या जनपद के मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कहुआ के निवासी हैं। उनके चयन की जानकारी मिलते ही उनके पैतृक गांव में खुशी की लहर दौड़ गई है।

कोतवाली नगर क्षेत्र में मारपीट में महिला घायल

अयोध्या। नगर कोतवाली के जब्ती वजीरगंज मोहल्ले में पालतू चूहे को लेकर दो किराएदारों के बीच मारपीट हो गई। इसमें एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जब्ती वजीरगंज मोहल्ला निवासी सुभाष निषाद के यहां बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के चंदीली निवासी राधेश्याम ने कमरा किराए पर ले रखा है। राधेश्याम की पत्नी मिथिलेश का कहना है कि उन्होंने सफेद चूहा पाल रखा है। जिसको लेकर दूसरे किराएदार मनोज की पत्नी अक्सर विवाद करती रहती है। इसी को लेकर उसने गत दिवस उसको मारपीट कर घायल कर दिया। मनोज की पत्नी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वत्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।